हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 51 | देहरादून, बुधवार, 10 अगस्त, 2022 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

ताबड़तोड़ बैठक में मंत्री सौरभ बहुगुणा तैयार कर रहे धामी विजन 2025 का मजबूत आधार 3

रुद्रप्रयाग के छिनका में बादल फटा

बुधवार को भी आरेंज अलर्ट, पांच जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

देहरादून। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में बादल फटने से कई घरों को नुकसान पहुंचा, जबकि खेत भी बह गए। ग्रामीणों ने भागकर जान बचाई। हालांकि, तीन दुधारू पशुओं की मलबे में दबने से मौत हो गई।

भारी वर्षा के चलते क्षेत्र में दहशत का माहौल है। लोग जागकर रात गुजार रहे हैं। मौसम विभाग ने बुधवार को भी प्रदेश में भारी वर्षा की आशंका जताई है। देहरादून समेत पांच जिलों में भारी वर्षा को लेकर आरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

पहाड़ में वर्षा से दुश्वारी का दौर जारी है। रुद्रप्रयाग अगस्त्यमुनि विकास खंड की ग्राम पंचायत छिनका में बादल फटने (Cloud Burst) से मेहडखोला में भारी मात्रा में मलबा आधा दर्जन घरों में घुस गया, पानी के साथ खेत भी बह गए।

इस घटना में तीन दुधारू पशुओं की मौत हो गई, जबकि ग्रामीणों ने भागकर अपनी जान बचाई। बादल फटने की सूचना पर प्रशासन और आपदा प्रबंधन की टीम मौके पर पहुंची तथा राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया और पीड़ित परिवारों को राहत राशि बांटी।

इसके अलावा, कर्णप्रयाग-ग्वालदम राष्ट्रीय राजमार्ग सोमवार रात को हुई भारी बारिश के चलते नलगांव के समीप पहाड़ी से भारी बोल्डर आने के कारण मंगलवार सुबह छह बजे से नौ बजे तक वाहनों की आवाजाही के लिए बंद रहा।

कर्णप्रयाग-रानीखेत राष्ट्रीय राजमार्ग भी सिमली के समीप सिरोली में पहाड़ी से गिरे भारी बोल्डर के कारण करीब सात घंटे बंद रहा, जिससे दो सौ से अधिक वाहन वहां फंसे रहे।

नई टिहरी में 24 जुलाई को किमी दो तक बंद पड़ा लंबगाव-मोटणा, रजाखेत राज्य मार्ग 16 दिन बाद भी नहीं खुल सका है। जिससे ग्रामीणों को लंबगांव-बिजपुर-पनियाला मोटर मार्ग से अतिरिक्त सफर तय करना पड़ रहा है।

मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह के अनुसार, बुधवार को आंशिक से लेकर मुख्यतः बादल छाये रह सकते हैं। देहरादून, चमोली, उत्तरकाशी, बागेश्वर, रुद्रप्रयाग में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी वर्षा हो सकती है। इसके अलावा अन्य जिलों में गरज के साथ बौछार पड़ सकती हैं। पहाड़ों में संवेदनशील क्षेत्रों में भूस्खलन को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

सीएम धामी ने शुरू किया 'हर घर तिरंगा' जन जागृति अभियान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सहस्त्रधारा रोड स्थित आई.टी.पार्क चौक में रायपुर विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत 'हर घर तिरंगा' जन जागृति अभियान के अन्तर्गत आयोजित रैली में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर रायपुर विधायक उमेश शर्मा 'काऊ' भी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव जन-जन का अभियान बन चुका है। हम सब सौभाग्यशाली हैं कि इसके साक्षी बन रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत शक्तिशाली और गौरवशाली भारत के रूप में आगे बढ़ रहा है। आज देश की आजादी के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले क्रांतिकारियों का स्मरण पूरा देश कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी 25 साल देश का अमृत काल होगा। आज हमारे युवा अनेक क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लक्ष्य सेन ने राष्ट्रमंडल खेल में स्वर्ण पदक जीतकर उत्तराखण्ड का मान एवं सम्मान बढ़ाया है। इसी तरह हर क्षेत्र में हमारे युवा परचम लहरा रहे हैं।

कोरोना : 24 घंटे में मिले 239 संक्रमित; दो ने भी तोड़ा दम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। कुछ दिन की राहत के बाद कोरोना ने फिर गति पकड़ ली है। मंगलवार को प्रदेश में कोरोना संक्रमण के 239 नए मामले मिले, जबकि 264 मरीज स्वस्थ हुए हैं। एम्स ऋषिकेश में कोरोना संक्रमित दो मरीजों की मौत भी हुई है।

कोरोना संक्रमण दर 13.61 प्रतिशत रही। वहीं, प्रदेश में कोरोना (Coronavirus) के सक्रिय मामलों की संख्या 1639 पहुंच गई है। देहरादून में सबसे अधिक 768, नैनीताल में 294 और हरिद्वार में 170 सक्रिय मामले हैं। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार पिछले 24 घंटे में निजी व सरकारी लैब से 1756 सैंपल की जांच रिपोर्ट प्राप्त हुई है। इनमें से 1517 सैंपल की रिपोर्ट निगेटिव आई है। देहरादून में सबसे अधिक 115 लोग कोरोना संक्रमित (Corona Infected) मिले हैं।

इसके अलावा नैनीताल में 40, हरिद्वार में 25, उत्तरकाशी में 23, ऊधमसिंह नगर में 12, पौड़ी में 11, अल्मोड़ा में पांच, पिथौरागढ़ में चार, चमोली में दो, रुद्रप्रयाग व टिहरी में एक-एक व्यक्ति कोरोना संक्रमित मिला है। अन्य दो जिलों बागेश्वर और चम्पावत में कोरोना का नया मामला नहीं मिला है।

इधर, विभिन्न जिलों से 1401 सैंपल कोरोना जांच के लिए भेजे गए हैं। इस साल प्रदेश में कोरोना के 1,00,257 मामले आए हैं। इनमें से 94,749 (94.51 प्रतिशत) लोग कोरोना को मात दे चुके हैं। कोरोना से इस साल 303 मरीजों की मौत भी हो चुकी है।

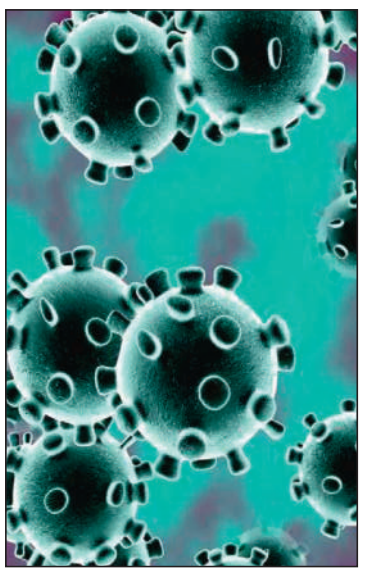

शिवालिक भागीरथी पब्लिक स्कूल में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत 18 वर्ष से अधिक के नागरिकों के लिए आयोजित टीकाकरण शिविर में 320 नागरिकों को बूस्टर डोज लगाई गई।

विद्यालय के प्रबंधक लक्ष्मण चौहान ने बताया कोई भी नागरिक वैक्सीन से वंचित ना रहे इसी उद्देश्य से कैंप लगाया गया है। नवीन नेगी ने बताया वैक्सीनेशन कैंप में नागरिकों को वैक्सीन लगाने के लिए भी जागरूक किया गया। इस मौके पर अक्षत चौहान, अनिल रावत, मुकेश धनाई, अनूप रावत, बलवीर, गोकुल, आदि मौजूद रहे।

क्या आप जानते हैं बैक्टीरिया और वायरस में क्या अंतर और समानता है ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बैक्टीरिया और वायरस में क्या फर्क होता है , ये कहाँ से आते हैं , हमें बीमार कैसे कर देते हैं , वायरस अधिक खतरनाक है या बैक्टीरिया , इनके कारण होने वाली बीमारी कैसे ठीक हो । ये प्रश्न आजकल कोरोना वायरस और अन्य बीमारियों के कारण सबके मन में उठ रहे हैं। बच्चे भी पेरेंट्स से ये सवाल कर रहे हैं। आइये आसान भाषा में इन्हे जाने -

बेक्टीरिया और वायरस में बहुत फर्क होता है। इन दोनों की बनावट , कार्यप्रणाली तथा संख्या बढ़ोतरी सभी में बहुत अंतर होता है। हालाँकि ये दोनों ही हमें बीमार बना सकते हैं। बैक्टीरिया की अपेक्षा वायरस का आकार बहुत छोटा होता है। बैक्टीरिया को साधारण माइक्रोस्कोप से देखा जा सकता है लेकिन वायरस को देखने के लिए इलेक्ट्रान माइक्रोस्कोप की जरुरत पड़ती है।

बैक्टीरिया और वायरस में अंतर

बेक्टीरिया एक कोशिका वाले जीवाणु होते हैं। ये लगभग सभी जगह पाए जाते हैं जैसे हवा , मिटटी , पानी , पेड़ पौधों , जानवरों तथा इंसानों में भी। माइक्रोस्कोप से देखने पर बैक्टीरिया का आकार किसी छड , गोलाकार , सर्पिंग की तरह घुमावदार जैसा दिखता है। अनुकूल वातावरण में ये तेजी से अपनी संख्या बढ़ा सकते हैं। बेक्टीरिया के कारण हमें टीबी , युटीआई , स्ट्रेप थ्रोट या फ़ूड पॉइज़निंग जैसे संक्रमण होते हैं। अधिकतर बैक्टीरिया नुकसानदायक नहीं होते। एक प्रतिशत से भी कम ऐसे होते है जो नुकसानदायक हो सकते हैं। कुछ तो फायदेमंद भी होते हैं जैसे आतों में मौजूद बैक्टीरिया पाचन तथा पोषक तत्वों के अवशोषण में मदद करते हैं। दही , छाछ आदि भी हमें बैक्टीरिया के कारण ही प्राप्त हो पाते हैं। बैक्टीरिया को वायरस की तरह किसी अन्य होस्ट कोशिका की जरुरत नहीं होती। ये बाहरी वातावरण में भी जीवित रह सकते हैं।

वायरस बिना होस्ट कोशिका (इन्सान , जानवर , पेड़ पौधे आदि) के बाहरी वातावरण में जिन्दा नहीं रहते। ये परजीवी होते है। किसी प्राणी में प्रवेश के बाद ये बड़ी आसानी से फ़ैल जाते हैं और शरीर को बीमार बना देते हैं। यह बीमारी साधारण से लेकर गंभीर तक हो सकती है। अधिकतर वायरस बीमारी का कारण बनते हैं। वायरस अन्य जीव की कोशिका में प्रवेश करके खुद के जैसे वायरस बनाकर अपनी संख्या बढ़ाता है। इस प्रक्रिया में वह कोशिका में मौजूद तत्व काम ले लेता है।

फ्लू , एड्स , हर्पीज , चिकन पॉक्स आदि बीमारी का कारण वायरस होते हैं।

टीका लगवाने से वायरस के संक्रमण से बचाव हो सकता है . यह टीका खुद हमारे शरीर में उस वायरस से लड़ने के लिए एंटीबॉडी का निर्माण कर देता है। इसलिए फ्लू , चिकन पॉक्स आदि बीमारी टीका लगवाने के बाद नहीं होती है।

हर महीने 10 रुपये जमा करने पर 16 लाख रुपये मिलेंगे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आजकल हर कोई ऐसे निवेश की ओर बढ़ रहा है, जिसमें उसे कम निवेश करना है और अधिक रिटर्न प्राप्त करना है। आज हम डाकघर की एक ऐसी योजना के बारे में बताना चाहते हैं, जिससे आप कुछ ही वर्षों में 16 लाख की बड़ी राशि प्राप्त कर सकते हैं। जानिए इस योजना के बारे में विस्तार से जानकारी...

आज के समय में हर आदमी बचत और निवेश के बारे में सोचने लगा है। इस आधुनिक युग में आपको अपनी बचत का पैसा सोच-समझकर लगाना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं करते हैं, तो मुद्रास्फीति धीरे-धीरे आपके पैसे के मूल्य को नष्ट कर देगी। इसे देखते हुए पिछले कुछ सालों में लोगों का रुझान म्यूच्यूअल फण्ड, क्रिप्टो करेंसी और स्टॉक मार्केट की ओर बढ़ा है। हालांकि, निवेश के इन तरीकों में शामिल जोखिम काफी अधिक है। आपकी जरा सी चूक बड़ा नुकसान कर सकती है। ऐसे में आपको यहां सोच-समझकर निवेश करना चाहिए।

इसी कड़ी में आज हम डाकघर की एक ऐसी योजना के बारे में बताना चाहते हैं, जो निश्चित रूप से 10 साल के भीतर संबंधित व्यक्ति को 16 लाख रुपये की मोटी रकम देती है. साथ ही, इस योजना को लेने के लिए कोई आयु सीमा नहीं है। डाकघर की इस छोटी बचत योजना में आप छोटे-छोटे निवेश करके मजबूत फंड जमा कर सकते हैं। हालांकि ज्यादातर योजनाओं का संबंध बाजार से है, लेकिन यह बाजार पर आधारित नहीं है।

डाकघर की आरडी योजना में शामिल होने के लिए आपके पास भारतीय नागरिकता प्रमाणपत्र होना अनिवार्य है। हालांकि इसमें उम्र की कोई सीमा नहीं है। इसमें 10 साल का बच्चा भी निवेश करना शुरू कर सकता है। यानी माता-पिता अपने 10 साल के बच्चों के नाम डाकघर में खाता खोलकर योजना से जुड़ सकते हैं। आपको बता दें कि पोस्ट ऑफिस की ओर से दी जाने वाली आरडी मीडियम टर्म सेविंग प्लान के तौर पर ऑफर की जाती है। जिसके तहत जमाकर्ता कम से कम 5 साल के लिए अपना निवेश करता है। आवर्ती जमा को जोखिम मुक्त माना जाता है। साथ ही हर तीन महीने पर चक्रवृद्धि ब्याज दिया जाता है।वर्तमान में डाकघर आरडी योजना में 5.8 प्रतिशत प्रतिवर्ष की ब्याज दर मौजूद है। यह ब्याज दर 1 अप्रैल 2020 से लागू है। इस योजना में ब्याज दर तिमाही आधार पर संयोजित है।डाकघर की आवर्ती जमा योजना में एक वयस्क या अधिकतम तीन वयस्क एक साथ संयुक्त खाता खोल सकते हैं। इसके अलावा योजना के तहत कमजोर दिमाग के व्यक्ति की ओर से नाबालिग या अभिभावक की ओर से अभिभावक खाता खोला जा सकता है। इसके साथ ही 10 साल से ऊपर का नाबालिग भी अपने नाम से खाता खुलवा सकता है. इस योजना में कितने भी खाते खोले जा सकते हैं।आपको बता दें कि इस योजना का कोई भी निवेशक 100 रुपये से खाता खोल सकता है और हर महीने कम से कम 10 रुपये तक का निवेश कर सकता है। हालांकि आप जितना चाहें उतना निवेश कर सकते हैं। तदनुसार, आपके धन में वृद्धि जारी रहेगी। इस योजना की खास बात यह है कि अगर योजना के निवेशक की मृत्यु हो जाती है तो उसके स्थान पर नामांकित व्यक्ति का पूरा पैसा प्राप्त हो जाता है। साथ ही आप चाहें तो RD स्कीम में सेविंग अकाउंट में आसानी से पैसे ट्रांसफर कर सकते हैं.

यहां Flipkart और Amazon से कम कीमत में सामान मिलता है

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

भारत में कोरोना के बाद भी ऑनलाइन शॉपिंग का क्रेज बढ़ गया है। Flipkart और Amazon को भी भारत में काफी पसंद किया जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि ऑनलाइन शॉपिंग के लिए और भी कई पोर्टल हैं, जो Flipkart और Amazon से भी सस्ते दाम पर उत्पाद उपलब्ध करा रहे हैं। अगर आप भी ई-कॉमर्स वेबसाइट के बारे में जानकारी चाहते हैं जो इस किफायती दाम में बेहतरीन उत्पाद बेच रही है तो यह खबर आपके लिए है। इस रिपोर्ट में हम आपको सस्ते और अच्छी क्वालिटी के उत्पाद उपलब्ध कराने वाली ई-कॉमर्स वेबसाइट बताएंगे।यह ई-कॉमर्स वेबसाइट सस्ती कीमतों पर अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पाद उपलब्ध कराती है। इस वेबसाइट से आप Flipkart और Amazon की तुलना में बहुत ही टैक्स प्राइस पर सामान खरीद सकते हैं। इसमें आपको कई सारे प्रोडक्ट की शानदार रेंज देखने को मिलेगी मीशो से पहली खरीदारी करने पर आपको 100 रुपये का इंस्टेंट डिस्काउंट दिया जाता है, यानी अगर आप 300 रुपये की कोई चीज खरीद रहे हैं तो आपको मीशो पर पहली बार 200 रुपये देने होंगे। इस ई-कॉमर्स वेबसाइट पर अन्य ई-कॉमर्स वेबसाइट और बाजार की तुलना में करीब 30 प्रतिशत कम कीमत पर अच्छे उत्पाद उपलब्ध है। Meesho की तरह Shopsee पर किफायती दाम पर कई उत्पाद उपलब्ध हैं। आप Shopsee पर फैशन, घड़ियाँ, इलेक्ट्रॉनिक्स, ब्यूटी और परफ्यूम से लेकर फुटवियर जैसे उत्पाद भी अच्छी छूट के साथ प्राप्त कर सकते हैं। इस ई-कॉमर्स वेबसाइट पर आपको कैश ऑन डिलीवरी का भी विकल्प मिलता है। इसके अलावा, आप उत्पाद की समीक्षा पढ़ सकते हैं ताकि आप इसकी गुणवत्ता का अंदाजा लगा सकें।

meesho

ताबड़तोड़ बैठक में मंत्री सौरभ बहुगुणा तैयार कर रहे धामी विजन 2025 का मजबूत आधार

गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग की बैठक में सामने रखा सरकार का विजन

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड के गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग, पशुपालन, दुग्ध विकास एवं मत्स्य पालन, प्रोटोकॉल, कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री सौरभ बहुगुणा लगातार विभागीय मीटिंग , दौरे और योजनाओं पर सख्त नज़र बनाये हुए दिखाई दे रहे हैं। इसी कड़ी में मंगलवार को कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने बड़ी बैठक बुलाई जिसमें सचिव गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग, प्रबंध निदेशक उत्तराखंड शुगर्स, आयुक्त गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग काशीपुर, उपायुक्त गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग, प्रबंधक उत्तराखंड शुगर्स, किच्छा/ बाजपुर/ नदेही/ डोईवाला /सितारगंज चीनी मिल के प्रधान प्रबंधक/कार्यकारी निदेशक, मुख्य अभियंता एवं सहायक गन्ना आयुक्त देहरादून (उधम सिंह नगर) ने भाग लिया।

चिंतन शिविर में चर्चा के दौरान मंत्री बहुगुणा ने कई बड़े निर्देश दिए हैं। उन्होंने गन्ना क्षेत्र को बढ़ाने और गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रभावी प्रयास किए जाने पर ज़ोर देने की बात कही है।

मंत्री ने कहा कि जैविक गन्ना और जैविक उत्पादकों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।आगामी पेराई सत्र 2022-23 में चीनी मिलों द्वारा क्रमशः डोईवाला/ नदेही/ बाजपुर/ किचा/ सितारगंज में गन्ना मूल्य की अधिकतम राशि चीनी मिल स्तर से किसानों को भुगतान की जानी चाहिए।

मंत्री सौरभ बहुगुणा ने दिए ये महत्वपूर्ण निर्देश – चीनी मिलों में पेराई सत्र के दौरान किसानों के ठहरने, शौचालय, पेयजल व पंचर बनाने वालों आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

चीनी मिल बाजपुर में पीपीपी मोड पर बी-हैवी शीरा आधारित 100 केएलपीडी एथेनॉल प्लांट स्थापित करने के लिए त्वरित कार्रवाई की जाए।

चीनी मिल सितारगंज को दीर्घकालीन लीज देने की कार्यवाही जल्द से जल्द पूरी की जाए।

चीनी मिलों के आगामी पेराई सत्र 2022-23 में यह सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी प्रयास किया जाना चाहिए ताकि चीनी उत्पादन/गन्ना पेराई के दौरान तकनीकी प्रतिबंध मानकों से अधिक न हो।

यह सुनिश्चित किया जाए कि गन्ना परिवहन ठेकेदारों से उपार्जन केंद्रों में उपलब्ध गन्ना 24 घंटे के भीतर उठा लिया जाए।

गन्ना परिवहन के लिए बुलाई जाने वाली ई-निविदा में भाग लेने वाले बोलीदाताओं की क्षमता के आधार पर क्रय केन्द्रों का आवंटन किया जाना चाहिए।

स्पीकर ऋतू खंडूड़ी ने किक बॉक्सिंग विश्व चैंपियनशिप कोच रक्षिता गौड़ा को किया सम्मानित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

इटली में सितंबर माह में आयोजित होने वाली किक बॉक्सिंग विश्व चैंपियनशिप में भारतीय टीम से बतौर कोच प्रतिभाग करने वाली रक्षिता गौड़ा ने विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण से देहरादून स्थित उनके शासकीय आवास पर भेंट की। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने रक्षिता गौड़ा को शाल ओढ़ाकर सम्मानित करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

भेंट मुलाकात के दौरान उत्तराखंड से किक बॉक्सिंग चैंपियन रही सेलाकुई निवासी रक्षिता गौड़ा ने विधानसभा अध्यक्ष को अवगत किया कि सितम्बर माह में इटली में आयोजित होने वाली किक बॉक्सिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाली भारतीय टीम के लिए बतौर मुख्य कोच उनका चयन किया गया है। डीबीएस कॉलेज में बीएससी की छात्रा रक्षिता को इससे पूर्व ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी की प्रतियोगिता में सबसे कम उम्र की किक बॉक्सिंग कोच होने का गौरव हासिल हो चुका है।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने रक्षिता गौड़ा को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि रक्षिता की इतनी कम उम्र में मिली उपलब्धियां उत्तराखंड के सभी खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादाई है।

उत्तराखंड में ड्रग्स माफियाओं को तबाह करेगी त्रिस्तरीय टास्क फोर्स

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड पुष्कर सिंह धामी के सख्त निर्देश के बाद उत्तराखंड के डीजीपी अशोक कुमार ने प्रदेश में मादक पदार्थों के बढ़ते प्रचलन को नियन्त्रित करने, इनके अवैध व्यापार की रोकथाम व प्रभावी कार्यवाही किये जाने हेतु त्रिस्तरीय एण्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (ANTF) एवं Narco Co-ordination Centre (NCORD) सचिवालय का गठन किया गया है। NCORD के अधीन परिक्षेत्रीय स्तर पर दो यूनिट ANTF गढ़वाल यूनिट तथा ANTF कुमायूँ यूनिट कार्य करेंगी 1

प्रदेश स्तर पर अपर पुलिस महानिदेशक/पुलिस महानिरीक्षक अपराध का0 व्यवस्था के अधीन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एस0टी0एफ नोडल अधिकारी होंगे 1 जबकि जनपद स्तर पर वरिष्ठ/पुलिस अधीक्षक के अधीन पुलिस अधीक्षक अपराध /पुलिस उपाधीक्षक ऑपरेशन नोडल अधिकारी होंगे। थाना स्तर पर थाना प्रभारी नोडल अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे 1

एण्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स हेतु पुलिस विभाग में उपलब्ध कार्मिकों से ही चयन किया जायेगा। राज्य स्तर पर गठित ANTF राज्य सरकार एवं एन0सी0बी0 की विभिन्न स्तरों पर होने वाली बैठकों में NDPS अधिनियम,1985 से सम्बन्धित आंकडे/सूचनायें सहित प्रतिभाग करेगी। यह जनपदों में स्थापित विभिन्न नशामुक्ति केन्द्रों के प्रतिनिधियों से समन्वय बनाकर उन

केन्द्रों का नियमित रूप से भौतिक सत्यापन व मादक पदार्थों के बिक्रय और आपूर्ति करने वालों के सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही करेगी। यह फोर्स मा0 न्यायालयों द्वारा मादक द्रव्यों की रोकथाम हेतु दिये गये आदेशों एवं निर्णयों का समस्त जिलों से अनुपालन करवाने हेतु समन्वय बनायेगी।

राज्य एण्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (ANTF) एन0डी0पी0एस0 एक्ट 1985 (यथा संशोधित) से सम्बन्धित अपराधियों के डोजियर (आपराधिक इतिहास) तैयार कर उक्त अधिनियम के अन्तर्गत निरुद्ध अभियुक्तों की सूचना संकलित कर सूची बनायेगी। ड्रग्स सम्बन्धी अपराधों से सम्बन्धित अभिसूचनाओं का संकलन, अभिलेखीकरण, विश्लेषण तथा उन पर ठोस कार्यवाही करेगी। इसके अतिरिक्त यह फोर्स अपराध में लिप्त प्रमुख माफिया सरगनाओं की संपत्ति जब्त एवं समय-समय पर नियंत्रण एवं प्रशासक, भारत सरकार से समन्वय करेगी। केन्द्र एवं राज्य स्तरीय अन्य विभागों एवं नशामुक्ति केन्द्रों से मादक द्रव्यों की रोकथाम हेतु समन्वय स्थापित करना और आतंकवादियों द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम की कार्यवाही करना होगा।

जनपद स्तर पर गठित टास्क फोर्स शिक्षण संस्थानों में नशे के मकड़जाल से बचने हेतु शैक्षणिक संस्थानों में गठित एन्टी ड्रग सेल/यूनिट के नोडल अधिकारी, मादक पदार्थ उन्मूलन में कार्य करने वाले एन0जी0ओ0, स्वयं सेवी संस्थानों/संगठनों, नशा मुक्ति केन्द्रों के साथ समन्वय स्थापित करेगी तथा पूर्व में प्रकाश में आये अपराधियों/तस्करों की गतिविधियों पर सतर्क दृष्टि रखेगी। थाना स्तर पर मादक पदार्थों से सम्बन्धित बरामदगी व कार्यवाही में उच्चाधिकारियों एवं मा0 न्यायालय द्वारा समय-समय पर जारी निदेर्शों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। नशा निवारण में जनजागरूकता का एक विशेष स्थान है। अतः एण्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स जन-जागरूकता एवं प्रचार-प्रसार हेतु व्यापक अभियान चलायेगी।

राज्य एण्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स में नियुक्त अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा अपने कार्य क्षेत्र में तलाशी, बरामदगी, गिरफ्तारी आदि की वही शक्तियां प्राप्त होगी, जो दण्ड प्रक्रिया संहिता एवं अन्य विधियों के अधीन पुलिस अधिकारियों को प्राप्त है। साथ ही यह टास्क फोर्स अपने कार्य क्षेत्र में स्थित किसी भी थाने में उक्त श्रेणी के व्यक्तियों के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत करने एवं दण्ड प्रक्रिया संहिता के प्रावधानों के अनुरूप कार्यवाही करने हेतु सक्षम होगी।

राज्य स्तरीय ANTF द्वारा प्रदेश में NCORD सचिवालय के रूप मे कार्य करते हुए विभिन्न स्तरों पर लिये गये निर्णयों पर की गई कार्यवाही का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। पारदर्शिता की दृष्टि से ANTF में नियुक्त कार्मिकों पर भी सतर्क दृष्टि रखी जायेगी तथा अपराधियों से संलिप्तता पाये जाने पर सम्बन्धित कार्मिक के विरूद्ध कठोरतम कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी 1 एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स एवं NCORD सचिवालय के कार्यों की मासिक समीक्षा पुलिस महानिदेशक उत्तराखंड द्वारा की जाएगी।

गजब की शर्त : दुल्हन की शर्त
शादी में आए, खाएं और बिल चुकाएं'

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अनोखेपन से भरी दुनिया में लोग भी अनोखे हैं। हम आज आपको उस दुल्हन के बारे में बता रहे हैं जो चाहती है कि उसकी शादी में जो भी मेहमान आएं, वो खुद ही अपने खाने का बिल चुकाएं. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इससे जुड़ी एक पोस्ट शेयर हुई है, जिसमें लिखा है कि शादी का खर्च दुल्हन की बजट के बाहर है, इसलिए वह चाहती है कि मेहमान उसके रिसेप्शन के लिए भुगतान करें...

खाने की दावत पर भुगतान की शर्त

शादी, किसी की भी जिंदगी में आने वाला सबसे बड़ा और खास दिन होता है, जिसे लोग खास बनाने के लिए काफी कुछ करते हैं. कोई करोड़ों-अरबों रुपये खर्च कर इस पल को हमेशा-हमेशा के लिए यादगार बना देता है तो कोई शादी करने के लिए ऐसी जगह का चुनाव करता है, जहां आमतौर पर शादियां तो नहीं होतीं. जैसे कोई समुद्र किनारे जाकर शादी करने का फैसला करता है तो कोई पहाड़ों पर शादी की व्यवस्था करके दुनियाभर में चर्चा का विषय बन जाता है. ऐसी कई कहानियां सोशल मीडिया पर अक्सर वायरल होती रहती हैं, पर आजकल

एक ऐसी शादी की कहानी खूब चर्चा का विषय बनी हुई है, जिसमें दुल्हन ने अपनी अजीबोगरीब 'डिमांड' से लोगों को हैरान कर दिया है.

दरअसल, दुल्हन चाहती है कि उसकी शादी में जो भी मेहमान आएं, वो खुद ही अपने खाने का बिल चुकाएं. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट पर इससे जुड़ी एक पोस्ट शेयर हुई है, जिसमें लिखा है कि शादी का खर्च दुल्हन की बजट के बाहर है, इसलिए वह चाहती है कि मेहमान उसके रिसेप्शन के लिए भुगतान करें. पोस्ट में लिखा है, 'क्या किसी ने अपने मेहमानों से उनके खाने के लिए भुगतान करने को कहा है? इस समय सब कुछ इतना महंगा है. हम या तो अपनी अक्टूबर में होने वाली शादी को स्थगित करने जा रहे हैं, या फिर मेहमानों को नहीं बुलाएंगे या अपने मेहमानों को गिफ्ट के बदले अपने खाने के बदले भुगतान करने के लिए कह रहे हैं'.

लोग मशहूर होने के लिए करते हैं कुछ अलग : दिलचस्प बात ये है कि दुल्हन ने सभी मेहमानों को इनवाइट भी कर दिया है, पर उसे समझ नहीं आ रहा कि वो खर्चे को कैसे मैनेज करेगी. उसने पोस्ट के जरिए लोगों से सुझाव मांगा है कि उसे क्या करना चाहिए. साथ ही उसने ये भी कहा है कि वह काफी उदास और चिंता में है.अब यूजर्स ने भी इसपर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दी हैं. कोई कह रहा है कि अगर शादी में कोई गिफ्ट नहीं लाना है तो मैं इसके लिए तैयार हूं, तो कोई कह रहा है कि 'अगर खाना उचित मूल्य सीमा में है और गिफ्ट्स की अपेक्षा नहीं की जाती है तो यह कोई बेकार सौदा नहीं है. ये मेरे लिए ठीक है'. वहीं, कुछ यूजर्स दुल्हन की इस 'डिमांड' से काफी हैरान भी हैं और कह रहे हैं कि ऐसा कहां होता है भला.

मुख्यमंत्री धामी ने अन्तराष्ट्रीय संगीत एवं नृत्य महोत्सव अमृतं गमय का शुभारम्भ किया

सलीम सैफ़ी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जी किशन रेड्डी ने मंगलवार को आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार एवं कला क्षेत्र फाउण्डेशन के तत्वाधान में आयोजित अन्तराष्ट्रीय संगीत एवं नृत्य महोत्सव अमृतं गमय का शुभारम्भ किया। आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में वेल्हम गर्ल्स स्कूल में आयोजित इस सांस्कृतिक महोत्सव में उत्तराखण्ड के लोक संगीत, वेस्ट बंगाल, कश्मीरी संगीत के साथ वायलन वादन, कत्थक, भारत नाट्यम के साथ स्पेन व इजिप्ट जैसे देशों की संस्कृति की भी झलक प्रस्तुत की गई।

इस अवसर पर अपने सम्बोधन में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के आयोजन में केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय द्वारा पूरे देश में 60 हजार से अधिक कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। देश भर में आयोजित हमारी समृद्ध कला एवं संस्कृति के ऐसे कार्यक्रम राष्ट्र के लिये प्रेरणा बनते है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एक भारत श्रेष्ठ भारत की कल्पना को साकार करने के लिये हमारा कला एवं संस्कृति का क्षेत्र भी आगे आ रहा है। उन्होंने कहा कि वसुधैव कुटम्बकम की हमारी परम्परा रही है। प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में कोविड काल में देश को सुरक्षित बनाने के साथ समय पर वैक्सीन तैयार कर 200 करोड़ वैक्सीन लगाने का कार्य ही नही किया बल्कि कि दुनिया के देशों को 20 करोड़ वैक्सीन भी उपलब्ध करायी यह हमारी संस्कृति की महानता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड देवभूमि, वीरभूमि के साथ ही सैन्य भूमि भी है। हमारे राज्य का हर परिवार का कोई न कोई सदस्य सेना से जुड़ा है। देश की सुरक्षा में राज्यवासियों का बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि देश की आजादी के बाद पहली बार देश में इतने बड़े स्तर पर तिरंगा अभियान संचालित हो रहा है। प्रदेश के 20 लाख घरो में हर घर तिरंगा फहराने का लक्ष्य है। इसमें सभी की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व में नया भारत, गोरवशाली, वैभवशाली भारत, विश्व को नेतृत्व देने वाला भारत होगा। उन्होंने कहा कि तीन साल बाद उत्तराखण्ड अपनी स्थापना की रजत जयन्ती मनायेगा। इन 25 वर्षो में उत्तराखण्ड विकास के नये आयाम प्राप्त करे इसके लिये सभी विभाग संस्थान अपने-अपने क्षेत्रों में विकास के लक्ष्य निर्धारित कर जन अपेक्षाओं को पूर्ण करने के लिये कार्य कर रहे हैं। इस अवसर केन्द्रीय मंत्री श्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि विश्व कल्याण, सबके सुख की कामना तथा अंधकार से प्रकाश की ओर जाने की हमारी परम्परा रही है। देश की कला एवं संस्कृति के विविध स्वरूपों को देश व दुनिया के समक्ष लाने का प्रयास है। अमृतं गमय जैसे वेश्विक आयोजन भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से युवाओं को परिचित कराने में मददगार होंगे।

उन्होंने कहा कि 2047 में देश की आजादी के 100 साल पूर्ण होंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में हमारा युवा आजादी के इस अमृत काल में विभिन्न क्षेत्रों में देश की समृद्धि में अपना योगदान दे रहा हैं। देश में युवा शक्ति की मजबूती के साथ आत्म निर्भर भारत का संकल्प भी पूरा हो रहा है। भारत 2047 तक विश्व गुरू बने, यह 130 करोड़ देश वासियों का एजेन्डा है। उन्होंने कहा कि देश में नई शिक्षा नीति खेलो इंडिया कोशल विकास के माध्यम से युवाओं को शसक्त बनाया जा रहा है। बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं के माध्यम से महिला शक्तिकरण पर विशेष ध्यान देकर देश के विकास में उन्हें भागीदार बनाया जा रहा है। महिलाये देश के आर्थिक विकास मे सहयोगी ही नही देश की बालिकाये, विभिन्न खेल स्पर्धाओं में बेहतर प्रदर्शन कर देश के लिये मेडल जीत रही है। महिलाओं के सम्मान की भी हमारी परम्परा है। उन्होंने सभी से हर घर तिरंगा अभियान में सहयोगी बनने की अपेक्षा की है। इस अवसर पर केन्द्रीय संस्कृति संयुक्त सचिव उमा रतूड़ी, सचिव मुख्यमंत्री आर मीनाक्षी सुन्दरम, हरिचन्द्र सेमवाल, कला क्षेत्र फाउन्डेशन्न की सुश्री रेवती रामचन्दन सहित कला एवं संस्कृति से जुड़े कलाकार एवं संस्कृति कर्मी उपस्थित थे।

आन बान और शान का प्रतीक तिरंगा हर घर में लगाइये : डॉ प्रेमचंद अग्रवाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कैबिनेट मंत्री व क्षेत्रीय विधायक डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने निशुल्क तिरंगा वितरण केंद्र का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा देश की आन बान और शान का प्रतीक तिरंगा हर घर में लगना चाहिए।

मंगलवार को मंदिर से पूजा अर्चना के बाद मंत्री डॉ अग्रवाल ने आजादी के अमृत महोत्सव में हर घर तिरंगा अभियान के तहत बैराज मार्ग पर निशुल्क तिरंगा वितरण केंद्र का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि तिरंगा हमारे राष्ट्र की पहचान है, हम आजादी का 75वॉ अमृत महोत्सव मना रहे है। डॉ अग्रवाल जी ने कहा कि यह कि त्योहार से कम नहीं है। तिरंगा फहराने को लेकर देश भर के हर जाति, पंथ के लोगों में एक नया उत्साह देखने को मिल रहा है। डॉ अग्रवाल ने कहा कि हर घर में तिरंगा फहराया जाना चाहिए, यह हमारा गौरव है कि आज़ाद भारत की 75वीं वर्षगाँठ मनाने जा रहे हैं। कहा कि यह ऐसा पहला मौका हमें मिल रहा है। डॉ अग्रवाल ने कहा कि इस महोत्सव का जरिये ऐसे वीर अमर भारत माता के सपूतों को नमन करना है, जिन्होंने भारत को आज़ाद कराने में अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया।

उन्होंने निशुल्क तिरंगा की स्टॉल लगाकर लोगों को वितरित किये। साथ ही इसको घर की छत पर लगाने को कहा। उन्होंने कहा कि तिरंगा का सम्मान करें। डॉ अग्रवाल ने कहा कि प्रत्येक मनुष्य के लिए अपना राष्ट्र प्रथम होता है। इस मौके पर पूर्व प्रधानाचार्य डीबीपीएस रावत, गोपाल सती, सौरभ गर्ग, केएस बिष्ट, संदीप पुंडीर, हरीश ढींगरा, मोहित, राजेश, राजवीर, अवधेश, आकाश सिंह, दिनेश प्रसाद आदि उपस्थित थे।

हिमालयन हास्पिटल के डाक्टर्स रेजीडेंस के एक कक्ष में लगी आग, हादसे में डाक्टर झुलसा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

डोईवाला (देहरादून)। हिमालयन हास्पिटल जौलीग्रांट के जेआर हास्टल के एक कक्ष में आग लगने से एक चिकित्सक झुलस गया। जौलीग्रांट पुलिस चौकी प्रभारी उत्तम रमोला ने बताया कि 112 पर काल के माध्यम से आग लगने की सूचना प्राप्त हुई।

जिस पर पुलिस के साथ ही अग्निशमन वाहन मौके पर पहुंचा। इससे पूर्व अस्पताल के अग्निशमन वाहन से आग को काबू करने का प्रयास किया जा रहा था। रानीपोखरी से भी दूसरे अग्निशमन वाहन के पहुंचने के पश्चात आग को पूर्ण रूप से काबू किया गया।

आग लगने की घटना इंडक्शन में शार्ट सर्किट होना बताया जा रहा है। दुर्घटना में डा इशांत सक्सेना उम्र 26 वर्ष डिपार्टमेंन रेडिएशन आंकोलॉजी जूनियर रेजिडेंसी मामूली रूप से झुलस गया है। इसके अलावा फिलहाल कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है। ज्वालापुर में हाईवे के पास चोरों से सोमवार रात एक मारुति वर्कशाप में घुसकर चोरी की घटना को अंजाम दे डाला। कीमती सामान चोरी करने के बाद चोर वर्कशाप में आग लगाकर फरार हो गए। पड़ोसियों की सूचना पर वर्कशाप मालिक मौके पर पहुंचा और जैसे-तैसे आग बुझाई।

दिग्गज यशपाल आर्य की तिरंगा यात्रा के नीचे एकजुट दिखी कांग्रेस, यात्रा में उमड़ी भीड़

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड में प्रदेश कांग्रेस 15 अगस्त तक भारत जोड़ो तिरंगा यात्रा निकाल रही है. इसी कड़ी में यह तिरंगा यात्रा नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य की मौजूदगी में हल्द्वानी के कांग्रेस कार्यालय स्वराज आश्रम से निकाली गई. इसके अलावा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करण माहरा ने रुद्रप्रयाग जिला मुख्यालय से इस रैली का शुभारंभ किया. जिसमें कई दिग्गज नेता और सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए हैं।

आपको यहाँ बता दें कि प्रदेश कांग्रेस में शामिल होकर नेता विपक्ष की कुर्सी सम्हालते ही यशपाल आर्य ने पार्टी में जान फूंकने के लिए सड़कों पर मौजूदगी दर्ज़ कराई है। एक बार फिर तिरंगा यात्रा में उनके नेतृत्व में और प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा के निर्देशन में बड़ा अभियान शुरू किया है।

बता दें कि नैनीताल जिले में कांग्रेस की भारत जोड़ो तिरंगा यात्रा शुरू हो गई है. यह यात्रा 9 से 15 अगस्त तक निकाली जाएगी. हल्द्वानी विधानसभा में यह यात्रा कांग्रेस कार्यालय स्वराज आश्रम से शुरू हुई. जिसके बाद यात्रा बाजार, रेलवे बाजार, नवाबी रोड, नैनीताल रोड से निकली. यात्रा के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं में अच्छा खासा उत्साह देखने को मिला.

जोश से लबरेज कार्यकर्ता भारत माता के जयकारे लगाते दिखे. इस यात्रा में नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य हल्द्वानी विधायक सुमित हृदयेश समेत पूर्व विधायक व पदाधिकारी नजर आए. इस मौके नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि आज देश को जोड़ने और एकजुट करने की आवश्यकता है. उन्होंने बीजेपी पर देश को धर्म, जाति आदि के नाम पर बांटने का आरोप भी लगाया.

बीजेपी की ओर से जहां पूरे देश में हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है तो वहीं कांग्रेस पूरे देश में भारत जोड़ो तिरंगा यात्रा निकाल रही है. राज्य आंदोलन की भूमि खटीमा से भी कांग्रेस ने यह यात्रा निकाली. इस दौरान खटीमा विधायक व उपनेता प्रतिपक्ष भुवन कापड़ी ने यात्रा को रवाना किया. वहीं, भारत जोड़ो तिरंगा यात्रा के माध्यम से कांग्रेस ने सभी धर्मों के सम्मान स्वरूप हिंदी-मुस्लिम-सिख-ईसाई की झांकी को भी अपनी इस यात्रा में शामिल किया.

टीडीसी को घाटे से उबारने के लिए सरकार अनुदान राशि देगी : गणेश जोशी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड सरकार के कृषि, कृषक कल्याण, सैनिक कल्याण एवं ग्राम्य विकास विभाग गणेश जोशी की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में बीज प्रमाणीकरण की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि टीडीसी कभी एशिया का बीज उत्पादन के क्षेत्र में सर्वोच्च संस्थान हुआ करता था। उन्होने कहा कि जब से मुझे यह विभाग मिला है तब से मै लगातार सम्बन्धित अधिकारियों के साथ बैठक कर सम्पर्क में हुं और उन कारणों का पता करने का प्रयास किया है कि क्यों यह संस्थान घाटे मे गयी।

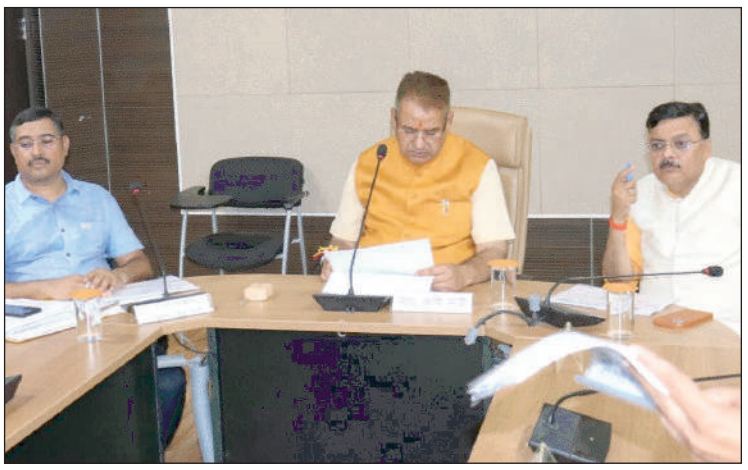

उन्होने कहा कि आज मैने अधिकारियों की बैठक ली है। उन्होने कहा कि हमारी कोशिश होगी कि आने वाले समय में हम टीडीसी की संस्थान को पुनः उसी स्थान पर लेके जाये जिस स्थान पर यह पूर्व में था। उन्होने कहा कि लगभग 22 करोड़ रूपये बकायेदारों के पास है जिनकी वसूली के लिए सम्बन्धितों को नोटिस जारी कर दिया गया है एवं वैधानिक सलाह ली जा रही है, जिसके पश्चात वसूली की कार्यवाही पूर्ण की जायेगी। उन्होने कहा कि इसके लिए हम नई तकनीकी का इस्तेमाल करेंगे। उन्होने कहा कि आज मैने प्लांट का निरीक्षण किया और देखा कि प्लांट की मशीनरी बहुत पुरानी तकनीक की है। जिस कारण हम पूरी क्षमता के अनुसार उससे कार्य नही ले पा रहे है। मंत्री ने कहा कि टीडीसी को घाटे से उबारने के लिए सरकार द्वारा अनुदान राशि भी दी जायेगी। और आवश्यकतानुसार जो पुरानी व निष्प्रयोज्य मशीन आदि है उनका विक्रय किया जायेगा और नई तकनीक की मशीने लाई जायेगी। उन्होने सम्बन्धित अधिकारियों से कहा कि अपनी मानसिकता को बदले एवं सरकारी संस्था के अनुसार काम न कर बल्कि व्यापारिक दृष्टिकोण के साथ काम करें। उन्होने कहा कि इस संस्था को घाटे से उबारने के लिए टीडीसी के निदेशक का कार्यभार जनपद के जिलाधिकारी युगल किशोर पंत को दिया है जो काफी सुलझे हुए व्यक्ति है, और अन्य अधिकारियों के भीतर भी कार्य करने की इच्छाशक्ति है। उन्होने कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि आगामी दो वर्ष के भीतर इस संस्था को पुनः इसके उच्च स्तर तक लेकर जायेगे।

संपादकीय

विलुप्त चीतों की वापसी

दुनिया में सबसे तेज दौड़ने वाला जानवर चीता है, लेकिन बमुश्किल ही किसी ने चीते को अपनी आंखों से दौड़ते हुए देखा होगा, क्योंकि भारत में अब चीते बचे ही नहीं हैं. चीते 74 साल पहले ही हमारे देश से विलुप्त हो चुके थे और तब से यह जानवर भारत में सिर्फ किताबों में रह गया है. एशिया में फिलहाल सिर्फ ईरान में ही चीते पाये जाते हैं, लेकिन अब 74 साल बाद एक बार फिर से भारत में चीतों की वापसी हो रही है. भारत और अफ्रीकी देश नामीबिया ने हाल ही में इस संबंध में एक समझौता किया है. दुनियाभर में इस समय करीब सात हजार चीते ही बचे हैं और उनमें से आधे अकेले नामीबिया में पाये जाते हैं. नामीबिया ने भारत को मुफ्त में आठ चीतों को देने पर रजामंदी दे दी है. भारत को इन चीतों को लाने का, यानी सिर्फ आवागमन का खर्च उठाना है. इन चीतों को भारत में एक विशेष जहाज से लाया जायेगा. उल्लेखनीय है कि यह चीतों का पहला ऐसा हस्तांतरण है, जो एक महाद्वीप से दूसरे महाद्वीप के बीच होगा. इसी महीने 15 अगस्त से पहले मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में आठ चीते फर्राटा भरते हुए दिखायी देंगे. इनमें से चार नर और चार मादा चीते हैं. जनवरी, 2022 में चीतों की वापसी का एक मास्टर प्लान मोदी सरकार ने तैयार किया था और इसके तहत अगले पांच साल में कुल 30 चीते भारत में लाये जाने की योजना है. सात वर्ष पहले भारतीय वन्यजीव संस्थान ने चीतों के पुनर्वास के लिए 260 करोड़ रुपये की लागत की योजना बनायी थी. राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की 19वीं बैठक में कार्ययोजना की घोषणा की गयी थी. मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में सबसे तेज दौड़ने वाले जानवर के स्वागत की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं. कुनो राष्ट्रीय उद्यान में बड़ी संख्या में नीलगाय, जंगली सूअर, चीतल तथा अन्य पशु हैं. मांसाहारी जानवरों में तेंदुआ और लकड़बग्घा ही हैं. ऐसे में आगंतुक चीतों के लिए समुचित आहार की उपलब्धता रहेगी. एक वैज्ञानिक अनुमान के मुताबिक, चीते 50 लाख वर्ष से धरती पर मौजूद हैं तथा पहली बार इन्हें भारत में ही देखा गया था. चीता शब्द की उत्पत्ति भी संस्कृत शब्द 'चित्राका' से हुई है, जिसका हिंदी में मतलब होता है, चितकबरा या धब्बेदार. लेकिन यह हमारे देश के लिए एक विडंबना ही मानी जानी चाहिए कि कई दशकों से भारत में एक भी चीता मौजूद नहीं है. आजादी से पहले भारत में बड़ी संख्या में चीते पाये जाते थे, लेकिन फिर इनकी आबादी धीरे धीरे घटती चली गयी. इसकी सबसे बड़ी वजह राजाओं-महाराजाओं का बेहिसाब शिकार का शौक और नकली वीरता के प्रदर्शन की होड़ थी. जनता के बीच खुद को बहादुर दिखाने के लिए जंगल में सबसे ज्यादा शेरों, बाघों और चीतों का शिकार किया जाता था तथा अपनी नकली वीरता को सभी के सामने प्रदर्शित किया जाता था. उस जमाने में राजाओं-महाराजाओं के चाटुकार और दरबारी भी उनकी झूठी वीरता का बखान किया करते थे एवं उनके बारे में लिखा करते थे. वर्ष 1948 में सरगुजा रियासत के महाराजा रामानुज प्रताप सिंह देव ने छत्तीसगढ़ के जंगलों में भारत के आखिरी बचे तीन चीतों का शिकार किया था. इसके बाद भारत में कभी कोई चीता नहीं देखा गया. वर्ष 1952 में सरकार ने भारत में चीतों के खत्म होने की आधिकारिक घोषणा कर दी.

चुभते तीर : राजीव नयन बहुगुणा उवाच

राजू के कुछ हसीन राज़

सुबह अचानक दैव योग वश दुश्चर्चा में आये अपने प्रदेश के एक वरिष्ठ आई ए एस अफसर एस राजू पर पोस्ट लिखी , तो मेरे एक अन्य आई ए एस अफसर मित्र ने उनसे संबंधित कुछ रोचक प्रसंग मुझसे शेयर किये. जिससे प्रतीत होता है , कि वह सचमुच एक कर्तव्य निष्ठ एवं ईमानदार अफसर रहे होंगे.लेकिन जैसा कि मैं कह चुका , उन्हें कभी मिला नहीं, और जानता भी नहीं, अतः दावे से कुछ नहीं कह सकता.

चर्चित ब्यूरोक्रेट टी एन शेषण ने एक समय अपनी ईमानदारी का खूब ढोल बजाया था . लेकिन रिटायर होने के बाद वह कांग्रेस के टिकट पर लोक सभा का चुनाव लड़ मरे.इससे सिद्ध हुआ कि वह प्रचार प्रिय थे , तथा $$$ कम, हिलाते ज़्यादा थे .

शेषण से मेरा भी एक अप्रिय प्रसंग जुड़ा है .

टिहरी बांध विरोधी संघर्ष के दौरान एक बार मैंने उन्हें मदद के लिए फ़ोन किया. क्योंकि वह अपनी आत्म कथा में मेरे पिता का सादर उल्लेख किये थे . शेषण ने सुबह सुबह मेरे फ़ोन करने का बुरा माना , तथा मुझसे ऑफिस टाइम पर फ़ोन करने को कहा. बल्कि लगभग निर्देश ही दिया.

वह देर तक मुझसे फ़ोन पर हुज्जत करते रहे.

मैंने बस इतना कहा - जितनी देर से हम दोनों फालतू झख मार रहे हैं , इतनी देर में तो मैं अपनी बात कह भी देता.

मैं ऐसे अभद्र और बनावटी इंसान को दोबारा फ़ोन क्यों करता, लेकिन तभी दिल्ली स्थित मेरे एक पत्रकार मित्र ने मुझे एक वाक़या सुनाया.

किसी अवश्यक और तात्कालिक ख़बर के लिए उसने शेषण को फ़ोन किया. शेषण बिगड़े, कि रात के 11 बजे उसने फ़ोन की हिमाकत क्यों की? पत्रकार लाख गिड़गिड़ाया कि कोई चारा न होने पर उसने यह धृष्टता की. गलत ख़बर न जाये.

लेकिन शेषण गुर्राये, और अपने नाइट गार्ड को हुकुम दिया कि रात भर , हर 10 मिनट बाद इसके लैंड लाइन नंबर पर फ़ोन करो. ज़ब हेलो बोले, तो फ़ोन काट दो.

ग़रीब रात भर न सो पाया. मोबाइल का युग था नहीं, की नंबर डिटेक्ट हो पाता.

हम पत्रकार बेवक़ूत फ़ोन करने को अभिशप्त हैं .

जयपुर में ज़ब मैं क्राइम रेपोर्टर के नाते तैनात था , तो अपराध की खबरें मुझसे अक्सर छूट जाया करती थीं .

यध्यपि डी आई जी मेरे घनिष्ट मित्र थे , लेकिन ख़बर तो थानेदार चुपके से पत्रकार को देता है, जिनसे मेरा उठना बैठना न था . जबकि औरों का था .

हर रात सोने से पहले मैं यह दुआ करता कि अपराधी सुबह मेरे उठने से पहले न पकड़ा जाये.

इसका तोड़ मैंने यह निकाला, कि डी आई जी साहब के सामने प्रस्ताव रखा - मेरे घर व्हिस्की भिजवाने से बेहतर यह है कि हम दोनों रात को उन्ही के ठीये पर साथ बैठें. मुझे अच्छा चबेना भी मिल जाया करेगा. ग़पशप भी रहेगी.

शाम या रात जब हम दोनों पी रहे होते तो अचानक कहीं से साहब का फ़ोन आने पर मैं उनके हाव भाव या निर्देशों से समझ जाता कि बड़ी वारदात हो चुकी है.

वह अंत में फ़ोन पर यह भी हिदायत देते कि केस खुलने तक किसी पत्रकार को भेद न लगे.

मैं जल्दी ड्रिंक खत्म कर बाहर निकलता, और पीसीओ से पुलिस कप्तान को फ़ोन करता - हाँ टायगर साहब. कैसे हो गया यह सब?

वह जानते थे कि मैं लॉयन के साथ बैठता हूं, अतः वारदात पता चल गई होंगी.

अब आपको क्या बताएं बहुगुणा जी, कहते हुए वह क्रमशः पूरा विवरण दे देते, और मै फ़ोन से ख़बर लिखवा देता.

खैर, एस राजू साहब की बात.

मित्र के अनुसार - पौड़ी जिले में शासन से किसी सड़क का प्रस्ताव पास हुआ. स्थानीय ठेकेदार, जो नेता भी थे , उन्होंने बगैर टेंडर खुले सड़क बनवा दी. उनकी जेसीबी खाली पड़ी थी. सोचा, कि सरकार हमारी ही है. टेंडर हमारे पक्ष में खुलना ही है.

वह पहले से ऐसा करते ही थे.

इतने में एस राजू वहां कलेक्टर बन कर चले गए .

उन्होंने सरकार को नोट भेजा - चूंकि जनता उक्त सड़क को श्रमदान से पहले स्वयं ही बना चुकी है .

अतः निर्गत राशि कहीं और व्यय कर दी जाये.

नेता -ठेकेदारों को काटो तो खून नहीं.

ब मुश्किल राजू का तबादला करा पाए .

कुल मिला कर मैं चूंकि स्वयं भी राजू हूं, अतः कामना करता हूं, कि वह बे दाग़ छूटें.

राजू एकता, ज़िंदाबाद.

छह माह में तैयार होगा विद्या समीक्षा केन्द्र : डॉ0 धन सिंह रावत

वीएसके की स्थापना के लिये आईटी कंपनी के साथ हुआ अनुबंध

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

गुजरात व गोवा के बाद उत्तराखंड में स्थापित होगा वीएसके

उत्तराखंड में अगले छह महीनों के भीतर विद्या समीक्षा केन्द्र स्थापित किया जायेगा। इसके लिये शिक्षा विभाग ने प्रारम्भिक तैयारियां शुरू कर दी है। जिसके तहत विभाग ने आईटी क्षेत्र की एक बड़ी कंपनी से अनुबंध कर लिया है, जो एक माह के भीतर शिक्षा महानिदेशालय में समीक्षा केन्द्र की स्थापना का कार्य प्रारम्भ कर देगी। जल्द ही गुजरात एवं गोवा के बाद उत्तराखंड देश का तीसरा राज्य बन जायेगा जहां पर आधुनिक तकनीकी से लैस विद्या समीक्षा केन्द्र स्थापित होगा।

शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को प्रखर व प्रभावी बनाने के लिये राज्य सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार एवं आधुनिक तकनीकी का उपयोग कर प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को और अधिक विश्वसनीय एवं रोजगारोन्मुख बनाने के उद्देश्य से सूबे में विद्या समीक्षा केन्द्र की स्थापना की जा रही है जो कि अगले छह माह के भीतर बनकर तैयार हो जायेगा। इसके लिये शिक्षा विभाग ने देश की एक ख्याति प्राप्त आईटी कंपनी कॉन्वेजीनियस के साथ अनुबंध कर लिया है। केन्द्र सरकार ने प्रस्ताव को स्वीकृत कर रूपये 5 करोड़ की धनराशि भी जारी कर दी है। इसके लिये डॉ0 रावत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का आभार जताया।

विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने बताया कि विभागीय अधिकारियों को छह माह के भीतर विद्या समीक्षा केन्द्र स्थापित करने के निर्देश दे दिये गये है। समीक्षा केन्द्र की स्थापना के बाद विभाग का सम्पूर्ण डाटा ऑनलाइन उपलब्ध रहेगा। जिसके तहत विद्यालयों का विवरण, शिक्षकों का विषयवार डाटा, छात्र-छात्राओं का विवरण के साथ ही प्रदेश के विद्यालयों में उपलब्ध संसाधनों डाटा मौजूद रहेगा। इसके अलावा शासन एवं महानिदेशालय स्तर के अधिकारी विद्या समीक्षा केन्द्र के माध्यम से किसी भी विद्यालय का ऑनलाइन निरीक्षण के साथ ही वहां की सम्पूर्ण गतिविधियों पर भी नजर रख सकेंगे। केन्द्र की स्थापना के उपरांत निश्चित रूप से प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में शैक्षणिक, प्रशासनिक सुधार तो आयेगा ही साथ ही शिक्षा की गुणवत्ता में आमूलचूल परिवर्तन लाया जा सकेगा।

दिलफेंक शौहरों का इलाज़ करती है महिला, बीवियां ज़रूर पढ़ें

फ़िरोज़ आलम गाँधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पति-पति के रिश्ते के बीच कोई भी आए, ये किसी बीवी को गंवारा नहीं होता है. फिर भी कई बार इस रिश्ते में मर्द धोखा कर जाते हैं और पत्नी से छिपकर दूसरे से रिश्ता बनाए रखते हैं. चीन में ऐसी ही पत्नियों के लिए मसीहा का काम करती है एक महिला. वो प्रोफेशनल तौर पर लोगों की शादियां बचाने का काम करती है और सौतनों को शादीशुदा मर्दों से रिश्ता खत्म करने के लिए समझाती है.

वांग ज़ेंक्सी नाम की महिला चीन में सौतनों को समझाने वाली टीचर के तौर पर मशहूर हैं, जो दुखियारी बीवियों को उनका पति लौटाने का काम करती हैं. उनकी ये सर्विस भी अजीबोगरीब है, लेकिन उन्हें इसकी वजह से हेनान प्रांत में काफी लोकप्रियता हासिल हो चुकी है. उन्होंने ये काम पेशेवर तरीके से अपना रखा है और वो कई बार साल भर में सैकड़ों सौतनों को ढूंढ निकालती हैं. यही वजह है कि उन्हें मिस्ट्रेस किलर भी कहा जाता है.

सौतनों की दुश्मन, बीवियों की दोस्त

विवाहेत्तर संबंधों की समस्या से डील करने वाले प्रोफेशनल्स की बात करें तो वो सिर्फ चीन में हैं. चीन में एक नहीं बल्कि दो-दो ऐसी पेशेवर महिलाएं हैं, जो एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर्स से निजात दिलाती हैं. वे एक तरह के डिटेक्टिव का काम करती हैं, जो विवाहेत्तर संबंधों का पता लगाती हैं और पति के अफेयर के बारे में जानकारी देती हैं. इतना ही नहीं वो सौतन से बदला लेने का तरीका भी बताती हैं और उन औरतों को इस बात के लिए कंविंस भी करती हैं कि वे दूसरों का घर नहीं तोड़ें. चीन के न्यूज़पेपर द पेपर में ऐसी ही महिला वांग ज़ेंक्सी के बारे में बताया गया, जिन्होंने एक साल में 800 ऐसी महिलाओं को ढूंढ निकाला, जो शादीशुदा मर्दों के साथ रिलेशनशिप में थीं.

शादी के 54 साल बाद बुजुर्ग दंपती के घर गुंजी किलकारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

राजस्थान के अलवर में सोमवार को 70 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्ग दंपती के घर में किलकारी गूंजी। मां की उम्र 70 साल और पिता की उम्र 75 साल है। शादी के तकरीबन 54 साल गुजर गए, अब दोनों को पहली संतान हुई है।

इधर, आईवीएफ तकनीक से संतान कराने वाले डॉक्टर का दावा है कि राजस्थान में यह अनूठा मामला है, जब इतनी उम्र की महिला ने बेटे को जन्म दिया है। हालांकि इस तकनीक से देश-दुनिया में पहले भी कई बुजुर्ग दंपती 70-80 साल की उम्र में भी माता-पिता बन चुके हैं। दरअसल, बांग्लादेश के युद्ध में झुंझुनूं के नुहनिया गांव के पूर्व सैनिक गोपीचंद को पैर में गोली लगी थी। दोनों को संतान नहीं थी। गोपीचंद ने का कहना है कि पहली संतान की खुशी कैसे जाहिर करें, समझ नहीं पा रहे हैं।

गोपीचंद का कहना है, 'अब वे भी दुनिया में सबके बराबर हो गए। अब कुनबा भी आगे बढ़ सकेगा। चंद्रवती की आंखों से तो बार-बार खुशी के आंसू निकल आते हैं।' IVF (इन विट्रो फर्टिलाइजेशन) एक्सपर्ट डॉ. पंकज गुप्ता कहते हैं- देशभर में इस उम्र में बच्चे पैदा होने के गिने-चुने ही केस हैं। राजस्थान का शायद यह पहला केस है। जब 75 साल के पुरुष व 70 साल की महिला को संतान प्राप्ति हुई है। गोपीचंद ने बताया कि वे अपने पिता नैनू सिंह के इकलौते बेटे हैं। बच्चे का वजन करीब पौने 3 किलो है। 50 साल से ज्यादा उम्र की महिला अब टेस्ट ट्यूब बेबी से मां नहीं बन सकेंगी अब टेस्ट ट्यूब बेबी को लेकर सरकार ने ART (असिस्टेड रीप्रोडेक्टिव टेक्नीक) कानून बना दिया है। यह कानून जून 2022 से लागू हो गया है। इस कानून के तहत 50 साल से अधिक उम्र की महिलाएं टेस्ट ट्यूब तकनीक से मां नहीं बन सकेंगी। मतलब टेस्ट ट्यूब बेबी के लिए महिला की उम्र 50 साल से कम होनी चाहिए, लेकिन यह केस कानून बनने से पहले का है। इसलिए इनको 70 साल की उम्र में बच्चा मिला है।

एक हजार रुपये ने दोस्ती में डाली दरार, दोस्त ने चाकू से ताबड़तोड़ वार कर उतारा मौत के घाट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुड़की। उधार लिए एक हजार रुपये वापस न देने पर शहर से सटे ढंडेरा गांव में एक युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने चाकू के साथ आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है।

सोमवार रात को सिविल लाइंस कोतवाली क्षेत्र के ढंडेरा गांव में कमरुजमा का गांव के एक युवक हबीब उर्फ गुलजार से विवाद चला आ रहा है। दोनों के बीच पहले गहरी दोस्ती थी। किसी बात पर सोमवार को भी दोनों के बीच कहासुनी हो गई।

सोमवार रात को कमरुजमा पैदल घर की ओर जा रहा था, जैसे ही वह एक डेयरी के पास पहुंचा तो यहां पर पहले से मौजूद हबीब उर्फ गुलजार ने उस पर चाकू से ताबड़तोड़ प्रहार किए। जान बचाने के लिए कमरुजमा काफी दूर तक दौड़ा, लेकिन हबीब उस पर काफी समय तक चाकू से वार करता रहा। काफी खून बहने से कमरुजमा जमीन पर गिर पड़ा। सूचना पर रात में ही पुलिस ने मृतक के भाई अब्दुल कादिर की तहरीर पर हबीब के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। तहरीर में गांव के ही दो व्यक्ति इमरान और इखलाक पर हबीब को हत्या करने के लिए उकसाने का भी आरोप है। तीन माह पहले भी आरोपित इसी तरह से हमला कर चुका है।

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक देवेन्द्र सिंह चौहान ने बताया कि रात में ही पुलिस की टीमों ने आरोपित की धड़पकड़ के लिए दबिश दी। उसे बूचड़ी फाटक के पास से गिरफ्तार कर लिया। साथ ही, उसकी निशानदेही पर चाकू भी बरामद कर लिया है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि आरोपित ने पूछताछ के दौरान बताया कि कमरुजमा ने उससे एक हजार रुपये लिए थे। कई बार उसने रुपये मांगे, लेकिन वह वापस नहीं कर रहा था। जिसके बाद वह रंजिश रखने लगा था।

दैनिक
न्यूज वायरस
न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।
सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002
email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा